बिज़नेस भास्कर

उम्मीद जगा रहे हैं फार्मा और एफएमसीजी

निवेश नजरिया

श्रीकांत चौहान
सीनियर वाइस प्रेसीडेंट
टेक्नीकल रिसर्च कोटक सिक्यूरिटीज

पिछला सप्ताह

पिछले सप्ताह बाजार 5196 के निचले स्तर से खुला और तकरीबन 5260 पर बंद हुआ। बाद के दिनों में बाजार में जो गतिविधियां देखी गई उनसे बाजार के सहभागियों को एक नए ढंग से सोचने का रास्ता मिला।

शुक्रवार को निफ्टी ने 5330 के स्तर को पार किया और इस दौरान सप्ताह के 5378 के उच्चतम स्तर तक इसने दौड़ लगाई, इससे बाजार में शॉर्ट कवरिंग का माहौल बना और निफ्टी के सप्ताह के उच्चतम स्तर यानी 5475 को छूने का अवसर बना। निफ्टी ने इस दौरान 5400 के स्तर से ऊपर बने रहने में कामयाबी हासिल पाई। पिछले सप्ताह के दौरान हुई कुछ वैश्विक घटनाओं से बाजार में मिला-जुला माहौल भी बना। उभरते बाजारों के प्रदर्शन से तुलना की जाए तो भारतीय बाजारों का प्रदर्शन अच्छा रहा। रिजर्व बैंक की ओर से बढ़ाई गई दरें बाजार की आशाओं के अनुरूप ही रही हैं। इस वजह से कोई नकारात्मक बात नहीं देखी गई।

यह सप्ताह

निफ्टी ने हैमर पैटर्न बनाया है जिसका कि इस सप्ताह में असर दिखने की संभावना है, बशर्ते निफ्टी सप्ताह के उच्चतम स्तर 5480 से ऊपर कारोबार करे। ऐसी संभावनाएं नजर आ रही हैं कि बाजार आगामी दिनों में 5530 को छू सकता है।

महत्वपूर्ण शॉर्ट कवरिंग देखी जा सकती है अगर निफ्टी 5560 से ऊपर बंद हो तो। मेरा मानना है कि 5605 के स्तर से ऊपर निफ्टी समयानुसार अपनी बढ़त में विस्तार कर सकता है। ऐसी संभावना है कि बाजार पर 5530 के स्तर का दबाव रहे और इस स्तर पर शॉर्ट टर्म कमजोरी की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। ऐसे हालात में हम लोअर साइड में भी 5400 की आशा कर सकते हैं। लेकिन ऐसे हालात में यह बात भी ध्यान देने वाली रहेगी कि अगर बाजार 5400 के स्तर से फिसल कर 5280 व 5200 के स्तर पर आया तो यह हालात बुल्स एंड बीयर्स के लिए खतरे की घंटी होंगे।

नजरिया

उभरते बाजारों में सबसे अच्छा प्रदर्शन भारत का

कच्चे तेल और सोने की कीमत घटने का बढ़िया असर

निजी बैंकों के शेयरों में मजबूती दिख रही है

टेलीकॉम व मीडिया शेयरों में सुधार देखने को मिलेगा

वैश्विक बाजार

कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट के चलते गुरुवार को अमेरिकी बाजारों में बढ़त देखने को मिली। कच्चे तेल की कीमतों में हम 77 डॉलर प्रति बैरल की अब आशा रखते हैं। सोने में कमजोरी का भी सकारात्मक असर पड़ने की संभावना है। शंघाई बाजार में भी ठीक-ठीक माहौल की संभावना बलवती है।

मुद्रा की स्थिति

यह अच्छा संकेत है कि अब कच्चे तेल की कीमतों में तेज गिरावट हुई है इसके चलते एमर्जिंग इक्विटीज पर घाटे में कमी व राहत का माहौल बन रहा है। इससे भारतीय बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशकों-एफआईआई की दिलचस्पी बढ़ने के आसार हैं।

फोकस में सेक्टर

हमने निजी बैंकों के शेयरों में मजबूत प्रदर्शन देखा है। हमारा फोकस खासतौर से आईसीआईसीआई व एचडीएफसी बैंक में होना चाहिए। इसके साथ ही एसबीआई भी लांग टर्म निवेश के लिए एक बेहतर पसंद है। यदि बाजार 5605 के स्तर से आगे जाए तो इन्फ्रा सेक्टर में निवेश बड़े काम का रहेगा। आईआरबी, एल एंड टी, पुंज लॉयड व जेपी एसोसिएट्स में रुचि जगाना बेहतर रहेगा।

ऑटो में महिंद्रा, अशोक लेलैंड व आयशर मोटर्स हमारी पसंद हैं। आईटी में ईयू व आईएमएफ के बीच करार से लोगों की रुचि फिर ताजी हो रही है। इस सेक्टर में हम टीसीएस की राय के पक्ष में हैं। बाजार में बढ़त का सबसे ज्यादा फायदा फार्मा सेक्टर को हुआ है। और हमें आशा है कि आगे भी इसमें बढ़ोतरी के अवसर साफ दिख रहे हैं। हमारी पसंद बायोकॉन, रैनबैक्सी व सिप्ला है।

एफएमसीजी सेक्टर में भी बेहतर बढ़त का माहौल बना रहा है भले ही वैश्विक अर्थव्यवस्था की हालत कैसी रही हो। इस सेक्टर में हम सबसे ज्यादा सक्रिय व ट्रेडेबल शेयर आईटीसी का है और अगर यह 185 के स्तर से नीचे आए तो जरूर खरीदें। टेलीकॉम व मीडिया में हालात थोड़े से नकारात्मक हैं क्योंकि इसमें बिकवाली का दबाव रहा है। हमें आशा है कि निकट भविष्य में हालात जरूर सुधरेंगे। हमारी पसंद इस सेक्टर में यूटीवी, आरईएल मीडिया, भारती व आइडिया है। पर अच्छा रिटर्न लांग टर्म में ही मिलेगा, इसे भी ध्यान में रखें।

सिफारिशें

निवेशकों को अतिरिक्त सावधानी से काम लेना है। वे 5400 के स्तर से आगे को ही शुभ मानें। कारोबारियों को 5450 के स्तर से आगे 5550-5600 का लक्ष्य पर 5385 पर स्टॉप को ध्यान रखना है। ऑप्शन ट्रेडर्स को भी माहौल की नजाकत को ध्यान में रखना है।